PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Jansatta, Delhi
Sun, 18 Jun 2017, Page 2
Width: 22.01 cms, Height: 51.82 cms, a3, Ref: 11.2017-06-18.16

केंद्र सरकार की सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना शुरू

मथुरा, 17 जून (भाषा)।

केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति विकास मंत्री डॉ महेशचंद्र शर्मा ने शनिवार को मथुरा के गोवर्धन विकास खंड से केंद्र की सरकार की महत्त्वाकांक्षी सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना की शुरुआत कराई।

इस योजना के प्रति कलाकारों में इतना उत्साह है कि योजना की विधिवत शुरुआत किए जाने से पहले ही ह्यकल्चरल मैपिंगह्ल के पोर्टल और स्वयंसेवकों के माध्यम से 1.12 करोड़ पंजीकरण करा चुके हैं। इस योजना में अगले तीन बरसों में देश के सभी 6 लाख 41 हजार गांवों में पहुंच बना कर हर प्रकार के कलाकार का पंजीकरण कर सांस्कृतिक डाटा बैंक तैयार किया जाएगा। जिस पर करीब 470 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। योजना का शुभारंभ करते हुए संस्कृति मंत्री डा. महेश च्रंद शर्मा ने कहा, ह्यभारत के कण-कण में कला और पग-पग पर कलाकार मौजूद हैं। यह संस्कृति हमारी धरोहर है। जिसे सरकार ने सहेजने और उसका संरक्षण करने का निर्णय लिया है। इस योजना के माध्यम से नई प्रतिभाओं का सम्मान और पुरानी कलाओं व कलाकारों का संरक्षण किया जाएगा।इस योजना में देश के हर गांव से हर विधा के कलाकार का पंजीकरण किया जाएगा। फिर चाहे वह बड़े मंचों पर अपना कला का प्रदर्शन करने वाला कोई गायक, वादक, नर्तक, अभिनेता हो या अपने चाक पर मिट्टी के सकोरे (प्याले) बनाने वाला एक कुम्हार। या फिर लेखन, शिल्प, सज्जा या अन्य किसी भी प्रकार से अपनी कला का हुनर जानने वाला कोई किसान, लुहार, बांसुरी वादक, रसिया गायक आदि। उन्होंने इस योजना के तहत चुने जाने वाले कलाकारों के संबंध में उनके कलाकार होने या न होने का किसी भी प्रकार का भ्रम पैदा होने से पूर्व ही उनके चयन की परिभाषा स्पष्ट करते हुए कहा कि हमारी नजर में कलाकार वह है जो खुद को कलाकार मानता है और किसी न किसी प्रकार की कला का हुनर उसमें है। इसके लिए उसे किसी प्रकार के सर्टिफिकेट दिखाने की जरूरत नहीं। वह इस योजना में पंजीकरण करा सकता है। शर्मा ने बताया कि पंजीकरण प्रक्रिया के बाद 49 विधाओं के तीन वर्ग बना कर हर वर्ग में प्रथम, द्वितीय, तृतीय व सांत्वना पुरस्कार दिए जाएंगे।